



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७०] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, मार्च १२, १९७०/फाल्गुन २१, १८९१

No. 70] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 12, 1970/PHALGUNA 21, 1891

इस भाग में भिन्न छ खंडों की जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March 1970

S.O. 1033.—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Central Government, after consulting the Election Commission, hereby makes the following rules further to amend the Registration of Electors Rules, 1960, namely:—

1. **Short title.**—These rules may be called the Registration of Electors (Amendment) Rules, 1970.

2. **Amendment of Rule 22.**—In rule 22 of the Registration of Electors Rules, 1960, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(3) Where the roll (hereafter in this sub-rule referred to as the basic roll), together with the list of amendments, becomes the electoral roll for a constituency under sub-rule (2), the Registration Officer may, for the convenience of all concerned, integrate, subject to any general or special directions issued by the Election Commission in this behalf, the list into the basic roll by including the names of electors in the list together with all particulars relating to such electors in the relevant parts of the basic roll itself, so however that no change shall be made in the process of such integration in the name of any elector or in any particulars relating to any elector as given in the list of amendments.”

[No. F.7(1)/70-Leg.II.]

N. D. P. NAMBOODIRIPAD, Jt. Secy.

विधि भंगालय

(विधायी विभाग)

श्रधा सूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1970

का० फा० 1033.—सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात् निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—ये नियम निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. नियम 22 का संशोधन:—निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 22 में उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(3) जब कि नामावलि (जिसे इस उपनियम में इसके पश्चात् आधारी नामावलि के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) संशोधनों की सूची सहित उपनियम (2) के अधीन किसी निर्वाचन क्षेत्र की नामावलि बन जाती है तब रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की मुकिया के लिए आधारी नामावलि के ही सुसंगत भागों में सूची में के निर्वाचकों के नाम और साथ ही ऐसे निर्वाचकों से सम्बन्धित सब विशिष्टियां सम्मिलित करके आधारी नामावलि में सूची का एकीकरण निर्वाचन आयोग द्वारा इस निमित् निकाले गए किन्हीं साधारण या विशेष गिरेशों के अध्यवधीन कर सकेंगा, किन्तु, इस प्रकार जिसमें ऐसे एकीकरण के दौरान, किसी निर्वाचक के नाम या किसी नि चिक के नाम से सम्बन्धित किन्हीं विशिष्टियों में, जैसा कि वे संशोधन की सूची में दी गई हैं, कोई परिवर्तन न हो।”

[सं० फा० 7(1)/70-वि०-11]

एन० डी० पी० नाम्बूदिरीपाद, संयुक्त सचिव।